



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 445] नई दिल्ली मंगलवार, जुलाई 25, 1989/ श्रावण 3, 1911
No. 445] NEW DELHI, TUESDAY, JULY 25, 1989/SRAVANA 3, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(नीबहन पक्ष)

घावेश

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1989

का. आ. 573 (अ.—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम,
1958 (1958 का 44) की धारा 7 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा यह निवेश होती है कि उक्त अधिनियम की धारा 356 का
2053 GI/89 (1)

धारा 356 ज की उप-धारा (2) और धारा छ की उप-धारा (1) के तहत प्रयुक्त शक्तियां नीचहम महानिदेशक द्वारा सी प्रयुक्त की जाएंगी ।

[सं. एस. नंर-13020/7/89-एम ए]

राम सनेही, ~~अवर~~ सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

ORDER

New Delhi, the 25th July, 1989

S.O. 573 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 7 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby directs that the powers exercisable by it under section 356 J, sub-section (2) of section 356 K and sub-section (1) of section 356 L of the said Act shall be exercisable also by the Director General of Shipping.

[No. SR-13020/7/89-MA]

RAM SANEHI, Under Secy.